प्रतिज्ञा प्रारूप

हिमाचल प्रदेश के समस्त विद्यालयों द्वारा प्रतिदिन सुबह की प्रार्थना सभा के पश्चात विद्यार्थियों द्वारा " पर्यावरण संरक्षण " हेतु विद्यालयों के प्रांगण में निम्नलिखित प्रतिज्ञा ली जायेगी:-

मैं प्राकृतिक संसाधनों और पर्यावरण की रक्षा एवँ सरक्षण के लिए यह प्रतिज्ञा करता/करती हूँ कि:-

1. मैं,सभी प्रकार के जीव जन्तुओं का सम्मान करूँगा/करूँगी ।
2. मै, वन, वनस्पति एवँ वृक्षों का संरक्षण एवँ संवर्धन करूँगा/करूँगी तथा यह भी सुनिश्चित करूँगा/करूँगी कि गैर-आवश्यक कार्यो हेतु कागज का कम से कम प्रयोग हो।
3. मै, हमेशा जल संरक्षण में भागीदार रहूँगा/रहूँगी तथा यह भी सुनिश्चित करूँगा/करूँगी कि पानी का दुरूपयोग न हो ।
4. मै, उर्जा संरक्षण में अपना योगदान दूंगा/दूंगी तथा बिजली और इससे चलने वाले उपकरणों को आवश्यकता अनुसार ही उपयोग करूँगा/करूँगी।
5. मैं, प्लासटिक के लिफाफों का प्रयोग कभी नहीं करूँगा/करूँगी तथा अपने परिजनों एवँ अड़ोस-पड़ोस को भी कपड़े/ जूट से बने थैलों का प्रयोग करने हेतु प्रेरित करूँगा/करूँगी ।
6. मैं, डिस्पोजेबल वस्तुओं जैसे कि कप,प्लेट, चम्मच आदि का प्रयोग नहीं करूँगा/करूँगी ।
7. मैं, आम जनता और सफाई कर्मचारियों को सूखे पत्तों/कूड़े-कचरे को जलाने की बजाए इससे जैविक खाद बनाने के लिए प्रेरित करूँगा/करूँगी।
8. मैं, स्वंय सड़कों,बाग-बगीचों ,आस-पड़ोस, पहाड़ी,ढलानों, नदियों,नालों,बाबडियों, कुओं आदि में किसी प्रकार का कूड़ा-कचरा नहीं फेकूंगा/फेकूंगी तथा औरों को भी कूड़े-कचरे को कूड़ा दान या चिन्हित स्थानों में डालने के लिए प्रेरित करूँगा/करूँगी।

लगातार.....

9. मैं, स्वयँ तथा अपने परिजनों से अनुरोध करूँगा/करूँगी कि वे घर के कूड़े-कचरे को अलग-अलग करने के बाद ही सफाई कर्मचारियों को दें ।

मैं ''पर्यावरण संरक्षण संहिता'' का पालन करूँगा/करूँगी तथा गर्व से कहता/ कहती हूँ कि मै भी स्वच्छ, हरित और सुन्दर हिमाचल के निर्माण में भागीदार हूँ ।

.....